MAHD–05

December – Examination 2020

M.A. (Final) Examination

HINDI

नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

Paper : MAHD-05

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) नाटक के प्रमुख तत्त्वों का उल्लेख कीजिए।

   (ii) भारतेन्दुयुगीन दो नाटककारों के नाम बताइए।

   (iii) धर्मवीर भारती की **दो** एकांकियों के नाम लिखिए।

   (iv) 'आधे-अधूरे' नाटक में चित्रित **दो** प्रमुख समस्याएँ बताइए।

(v) निबंध के तीन प्रकारों का नामोल्लेख कीजिए।

(vi) 'डायरी' को परिभाषित कीजिए।

(vii) 'शिवशंभु के चिट्ठे' किसके द्वारा लिखित है ?

(viii) 'चीड़ों पर चाँदनी' किस विधा की रचना है ?

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''मैं अकेले दम इस घर की जिम्मेदारियाँ नहीं उठाती रह सकती और एक आदमी है जो घर का सारा पैसा डूबोकर सालों से हाथ पर हाथ धरे बैठा है। दूसरा अपनी कोशिश से कुछ करना चाहे तो दूर, मेरे सिर फोड़ने से भी किसी ठिकाने लगना अपना अपमान समझता है। ऐसे में मुझसे नहीं निभ सकता। जब और किसी को यहाँ दर्द नहीं किसी चीज़ का तो अकेली मैं ही क्यों अपने को चीथती रहूँ रात-दिन ? मैं भी क्यों न सुर्खरू होकर बैठ रहूँ अपनी जगह ? उससे तो तुममें से कोई छोटा नहीं होगा।''

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''समाजवाद परेशान है, उधर जनता भी परेशान है। समाजवाद आने को तैयार खड़ा है, मगर समाजवादियों में आपस में धौल-धप्पा हो रहा है। समाजवाद एक तरफ से उतरना चाहता कि उसे पत्थर पड़ने लगते हैं—खबरदार उधर से मत जाना। एक समाजवादी उसका एक हाथ पकड़ता है, तो दूसरा, दूसरा हाथ पकड़ उसे खींचता है। तब बाकी समाजवादी छीना-झपटी करके हाथ छुड़ा लेते हैं। लहुलुहान समाजवाद टीले पर खड़ा है।''

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''कमलापति धवल-नवल वस्त्र धारण कर माथे में भस्मी लगाए स्कूल आते। मैं जाता हीन-दीन मलीन कपड़े पहने, धूल उड़ती चेहरे पर। मुझमें और कमलापति में ऐसा कोई साम्य न था कि हम मिलते। वह तुंग हिमालय शृंग, मैं धूलि धँसी धरती की।''

5. चन्द्रगुप्त नाटक में भारतीयता का प्रतिपादन किन रूपों में हुआ है ?

6. 'अंधायुग' को गीतिनाट्यात्मक प्रबंध कहना कहाँ तक उचित है ?

7. 'अशोक के फूल' निबंध का मूल प्रतिपाद्य लिखिए।

8. 'रेखाचित्र' एवं 'संस्मरण' में अंतर स्पष्ट कीजिए।

9. पठित यात्रा वृत्तांत के आधार पर निर्मल के प्रकृति चित्रण पर एक टिप्पणी लिखिए।